SAPAN FOUNDING CHARTER – ENGLISH - HINDI

Sapan Founding Charter	सपन फाऊंडींग चार्टर
Sapan is a coalition of individuals and representatives of various organisations joining hands for a minimum common agenda: Reclaiming South Asia.	" सपन " व्यक्तियों और संस्थाओं का एक समूह है।इसका मुख्य उद्देश्य आपसी सहयोग से दक्षिण एशिया को पुनर्संगठित करना है।
In doing so, we reiterate our commitment to take forward the principles and ideals of peace, justice, democracy and human rights articulated by visionaries like Dr Mubashir Hasan, Nikhil Chakravartty, Asma Jahangir, Nirmala Deshpande, Kuldip Nayar, Rajni Kothari among others – a visa-free South Asia or confederation of nations with soft borders. A region in which each nation ensures quality education, justice, and freedom of expression and religion to its own citizens as well as support and solidarity to those of the other nations.	हम एक बार फिर संकल्प लेते हैं कि हम डॉक्टर मुबाशिर हसन, निखिल चक्रवर्ती, आस्मा जहांगीर, निर्मला देशपांडे, कुलदीप नैय्यर, रजनी कोठारी जैसे अनेकों अन्य दूरदर्शी बुद्धिजीवियों की आशाओं के अनुरूप, एक ऐसे दक्षिण एशिया देश- समूह का पुनर्गठन करेंगे जहाँ कोई सीमा बंधन नहीं हो, उच्चस्तरीय शिक्षा, न्याय, धर्म और विचार व्यक्त करने पर कोई रोक ना हो।
We aim to 'reclaim South Asia', to quote another of our mentors and visionaries, the late I.A. Rehman.	हमारा उद्देश्य स्वर्गीय आई ए रहमान के " दक्षिण एशिया का पुनर्निर्माण " के स्वप्न को पूरा करना होगा।
We support the objectives of SAARC, the South Asian Association for Regional Cooperation:	हम दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन के इन उद्देश्यों का समर्थन करते हैं
"To promote the welfare of the peoples of South Asia and to improve their quality of life; to accelerate economic growth,	दक्षिण एशिया के लोगों के विकास को बढ़ावा देना, उनके जीवनस्तर को उन्नत करना, आर्थिक विकास को गति देना, इस क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को उन्नत करना, हर व्यक्ति को अपनी मर्यादा और प्रतिभा

social progress and cultural development in the region and to provide all individuals the opportunity to live in dignity and to realize their full potential; to promote and strengthen collective self-reliance among the countries of South Asia; to contribute to mutual trust, understanding and appreciation of one another's problems; to promote active collaboration and mutual assistance in the economic, social, cultural, technical and scientific fields; to strengthen cooperation with other developing countries; to strengthen cooperation among themselves in international forums on matters of common interests; and to cooperate with international and regional organizations with similar aims and purposes."	के साथ जीने का अधिकार देना, दक्षिण एशियाई देशों को आत्मनिर्भर बनाना, आपसी सहयोग और सहानुभूति के साथ अपनी समस्याओं को सुलझाना, वैज्ञानिक, तकनीकी, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में विकासशील देशों को सहयोग और समर्थन देना, सामान्य हित कीं बातों को अंतराष्ट्रीय मंच पर मज़बूती से रखना, समान विचार वाले क्षेत्रीय और अंतराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करना।
The South Asia Peace Action Network therefore calls on the governments and peoples of South Asian nations to work towards:	"सपन" दक्षिण एशिया के देशों और नागरिकों से निम्नलिखित सहयोग चाहता है:-
Instituting soft borders and visa-free South Asia, or visa-on-arrival, to allow freedom of trade and travel to each other's citizens	1.- एक दूसरे के नागरिकों को व्यापार और यात्रा की स्वतंत्रता की अनुमति देने के लिए नरम सीमाओं और वीज़ा-मुक्त दक्षिण एशिया, या वीज़ा-ऑन-अराइवल की स्थापना करना
Ensure human rights and dignity for all their citizens including religious and ethnic minorities, women, children and other oppressed communities.	2.- सभी जनजाति, धार्मिक समुदायों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और बच्चों की मर्यादा और मानव अधिकार की रक्षा,
Cooperate in areas related to public health, culture and legal reform, education, environment,	3.- सामान्य स्वास्थ्य, शिक्षा-संस्कृति और न्याय व्यवस्था में सुधार, जल-संरक्षण, पर्यावरण और जलवायु

climate change, water issues, disarmament, de-militarisation and de-nuclearisation.	परिवर्तन का विकास, निरस्त्रीकरण, सैन्य-शक्ति और परमाणु-शक्ति पर नियंत्रण।